an>

Title:Flood and drought situation in Tamil Nadu and other parts of the Country.

HON. SPEAKER: Hon. Members, considering the flood situation in Tamil Nadu and Andhra Pradesh due to heavy rains and also drought in some parts of the country, a request to take up a discussion has been made by hon. Minister of Parliamentary Affairs in the House today. If you all of you agree, we can take up the discussion on the issue under Rule 193 immediately. I have received some notices on this issue and Dr. Venugopal has given notice at the first point of time. So, if the House agrees, we can take the 193 discussion immediately.

...(*Interruptions*)

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes madam, we all agree. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, मैंने आपका स्थगन प्रस्ताव ग्राह्य नहीं किया है। मैंने यह भी कहा है कि जो इश्यू आप उठाना चाहते हैं, वह कल ही डिस्कस हो चुका है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस पर गृह मंत्री जी ने पूरे तरीके से उत्तर दिया है। इसलिए आज इस इश्यू को उठाने का कोई कारण नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No.

...(*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): We want to discuss it. We want to cooperate with that....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, यह को-ऑपरेशन नहीं है। कल आपने उत्तर सुना भी नहीं है। I am sorry.

Hon. Members, please go to your seats.

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है। Try to understand.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Khargeji, I know.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग खड़े हैं। ऐसे में मैं बात नहीं करूंगी।

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Let them go to their seats.

12.06 hours

(At this stage, Shri Kodikunnil Suresh and some other hon. Members went back to their seats.)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: When they were here, you spoke.

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : हमने चेयर से रिक्वेस्ट किया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हम भी रिक्वेस्ट कर रहे हैं। लेकिन, एक का रिक्वेस्ट मानना और दूसरे का नहीं मानना, यह भी ठीक नहीं है।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(*Interruptions*)â€¦ □

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : स्पीकर के ऊपर टिप्पणी करना अच्छी बात नहीं है। मेरा सुझाव है कि अगर आपको स्पीकर अनुमति दें, तो आपको जो बोलना है, आप बोलें।

मगर, चेन्नई में बहुत भयंकर स्थिति है। मैं उसके बगल में रहता हूं। मैंने खुद अनुभव किया है। मुझे मालूम है कि चेन्नई का दर्द क्या है। इसलिए मैंने कहा कि चेन्नई के ऊपर चर्चा को पहले लिया जाए।...(व्यवधान)

खड़गे जी, मैंने आपके बारे में कुछ नहीं कहा। आप लोग हमारे मंत्री के बारे में इतने अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। आप प्रधान मंत्री जी के खिलाफ़ नारा लगाते हैं। यह क्या तरीका है, यह

मुझे समझ में नहीं आ रहा। आप थोड़ी-सी सहिÂणुता दिखाइए। Please have some tolerance towards the mandate of the people also. जनता ने हमें जनादेश दिया है। आप थोड़ी सी उसकी मर्यादा रखिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय खड़गे जी, पहले आप मेरी बात भी सुनिए। आपने जो स्थगन प्रस्ताव दिया था, यह हाउस भी जानता है कि उस स्थगन प्रस्ताव पर, कल ही नहीं, बल्कि परसों भी पूरा दिन इन सब बातों पर चर्चा हो चुकी है। वह विÂाय, जिसे आपने अपने स्थगन प्रस्ताव में दिया था, और यह भी विÂाय, सब विÂाय चर्चा में उठा था। If I am not wrong, जब गृह मंत्री जी ने पूरी बात का जवाब दिया, उसमें भी वह इश्यू आया था। लेकिन, उस समय आप लोग कोई भी यहां सुनने के लिए बैठे ही नहीं थे, आप चले गए। इसलिए ऐसा नहीं होता है। रोज़-रोज़ एक ही बात पर चर्चा नहीं होती है। मैंने स्थगन प्रस्ताव अग्राह्य किया है। इसलिए अब इसको उठाने का कोई सवाल नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम, एक मिनट आप मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं, मैं आपको आपके विÂाय के बारे में बोलने नहीं दूंगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप नियम-193 के तहत चर्चा चाहते हैं या नहीं, इतना बता दीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम, मुझे बस एक मिनट बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

मैडम स्पीकर, मैं आपसे कोई विवाद करना नहीं चाहता हूं। मैंने उनका पूरा भाÂाण यहीं बैठ कर सुना है।

माननीय अध्यक्ष : नहीं, विवाद का कोई कारण ही नहीं है। ऐसा नहीं होता है। I am sorry.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम, मेरा कहना यही है कि हमने एक नोटिस दिया था। उस नोटिस में यही था।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं, नहीं, ऐसा कुछ नहीं है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैं आपसे कोई विवाद नहीं करना चाहता हूं। मैंने उनका पूरा भाÂाण यहीं बैठकर सुना है। मेरा कहना यह है कि हमने जो नोटिस दिया था, उसमें यह लिखा था कि â€¦□

HON. SPEAKER: No, I am sorry.

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : मैडम, ऐसा कोई वक्तव्य नहीं दिया गया है।...(व्यवधान) यह रिकॉर्ड में नहीं जाना चाहिए।...(व्यवधान) यह गलत है।...(व्यवधान) It is a politically motivated campaign. हम इसको चैलेंज करते हैं और हम इसे स्वीकार नहीं करते हैं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am sorry. I have disallowed his remarks on *Dalit* community. No, I am sorry, it will not go on record.

...(*Interruptions*)*â€¦ *

HON. SPEAKER: Kharge Ji, no, nothing will go on record because I have disallowed that.

...(*Interruptions*)*â€¦ *

HON. SPEAKER: No, I am sorry.

12.08 hours

At this stage, Shri Mallikarjun Kharge and some other

hon. Members left the House.